तर्ज--जाने कहां गये वो दिन

जाने कब आऐगें वो दिन,खेल खत्म होगा जिस दिन
लौट के धाम को जाएगें,खेल ये कैसा है अधखिन
जीवन बिता दिन गिन, अन्त कहां पर पाएगें

1--तेरे बिन पिया यहां, दिन न कटे ना ही रात है
पल पल का जो साथ था, वो न हमारे पास है
अब तो है बस ये लगन,मिल जाए मुझको मेरे खसम
तो पल पल पिया को रिझाएगें

2--इश्क तेरा ले पिया,कूदती थी अर्श में
हाय ये कैसी बेबसी, इस जिमी के फर्श में
आतम का हो परआतम मिलन,पाए अपना मूल तन
तो पल पल पिया को रिझाएगें

3--देखकर हमको दुखी होते, दुखी है आप भी
हाय ये चरकीन तन ले के, उतर आये आप भी
शार्मिन्दगी ये क्या है,यह सोच कर आंखें है नम
कैसे ये नैना मिलाएगें

Nijanand App